# हरित महाकुंभ

## चर्चा में क्यों?

31 जनवरी, 2025 को प्रयागराज में **हरित** महाकुंभ का **आयोजन किया जाएगा,** जिसमें देश भर से 1,000 से अधिक **पर्यावरण और** जल संरक्षण **कार्यकर्त्ता एकजुट होंगे।**

- **शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने** ज्ञान महाकुंभ के हिस्से के रूप में इस अनूठे कार्यक्रम का आयोजन किया है, जिसमें **उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री इसके मुख्य संरक्षक हैं।**

## मुख्य बिंदु

- **पर्यावरण के संबंध में राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा:**
  - चर्चा में **प्रकृति, पर्यावरण, जल और स्वच्छता से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।**
  - **विशेषज्ञ प्रकृति के पाँच तत्त्वों के बीच संतुलन बनाने और इससे जुड़ी चुनौतियों से निपटने के संदर्भ** में जानकारी साझा करेंगे।
  - इस कार्यक्रम में महाकुंभ में आने वाले लोगों में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान के बारे में **जागरूकता बढ़ाने के तरीकों पर विचार किया जाएगा।**
  - स्वच्छ महाकुंभ पहल की सफलता सुनिश्चित करने के लिये सरकारी एजेंसियाँ, जन प्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक मिलकर काम कर रहे हैं।
- **स्वच्छता रथ यात्रा:**
  - **स्वच्छता को बढ़ावा देने और जन जागरूकता बढ़ाने** के लिये प्रयागराज में स्वच्छता रथ यात्रा भी शुरू की गई, जिसमें महत्त्वपूर्ण सामुदायिक भागीदारी हुई।
  - **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य प्रयागराज को महाकुंभ श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिये **स्वच्छता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना है।**
  - महाकुंभ नगर मार्ग पर प्राचीन वातावरण बनाए रखते हुए, यह पहल लाखों संभावित आगंतुकों के लिये **स्वागत योग्य वातावरण सुनिश्चित करती है।**
- **प्रदर्शनों के माध्यम से जागरूकता अभियान:**
  - नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने रंग-कोडित कूड़ेदान लेकर **गीले और सूखे अपशिष्ट को उचित तरीके से अलग करने का प्रदर्शन किया।**
  - रथ के साथ-साथ **स्वच्छता-थीम वाले संगीत बैण्ड ने प्रस्तुति दी, जिससे स्वच्छ शहर बनाए रखने का संदेश दिया गया।**
  - **सफाई मित्रों और नगर निगम कर्मचारियों ने** स्वच्छता उपायों को बढ़ावा देने और लागू करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

### महाकुंभ

- कुंभ मेला संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची के अंतर्गत आता है।
- यह पृथ्वी पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान करते हैं या डुबकी लगाते हैं।
- **यह नासिक में** गोदावरी नदी, **उज्जैन में** शिप्रा नदी, **हरिद्वार में गंगा** और प्रयागराज में **गंगा, यमुना और पौराणिक** सरस्वती नदी के संगम पर होता है। इस संयोजन को **'संगम'** कहा जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/green-mahakumbh